सुर बीना पुगे नाय मारग थक जाता

सुर बीना पुगे नाय,
मारग थक जाता,
सुन में पुगें साध,
भाग्यफल पाता है वो जी।bd।

कण्ठ कवल के माई,
सरस्वती माता,
करे भजन टकसाल,
वचन फरमाता है वो जी।bd।

वठे शिव शक्ति मिल दोय,
अमी बरसाता,
पीवें संत सुजान,
अमर होय जाता है वो जी।bd।

नूगरां पीवें ना जहर,
पीवतं मर जाता,
पीवें संत सुजान,
मोक्ष फल पाता है वो जी।bd।

गुरू मलिया मच्छिन्दर नाथ,
वचन फरमाता,
बोल्या रे गोरखनाथ,
चरण पद पाता है वो जी।bd।

सुर बीना पुगे नाय,
मारग थक जाता,
सुन में पुगें साध,
भाग्यफल पाता है वो जी।bd।

गायक – जगदीश चन्द्र जटिया।
प्रेषक – श्री धर्मराज बावजी स्टूडियो।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com